



हर साल यदि सिर्फ दो कॉर्डॉफैन जिराफ ही मारे जाते हैं तो भी कैमरुम के बैनोयू नैशनल पार्क में यह उपप्रजाति 15 साल में ही लुप्त हो जाएगी। युनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल जूलॉजिकल सोसायटी द्वारा करवाए गए नए शोध से यह जानकारी मिली है। अफ्रीकन जर्नल ऑफ इकोलजी में छपे इस शोध के सहलेखक सैमुअल पैनी ने कहा कि, हमें यह तो लग रहा था कि पार्क के अंदर अवैध शिकार के कारण इनकी आबादी कम हो रही है। तथापि, हमने यह उम्मीद नहीं की थी कि, विलुप्ति की नाबत इतनी जल्दी आ जाएगी। यह बेहद चिंताजनक है। कॉर्डॉफैन जिराफ गंभीर रूप से संकटग्रस्त जिराफ उपप्रजाति हैं, जो कैमरुन, काँगो, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, चाड, काँगो, व साउथ सूडान में मिलते हैं। इनकी कुल आबादी 2300 के लगभग है तथा “बनाओ नैशनल पार्क” में इनकी आबादी 300 से कम है। मांस, हड्डियों, बाल व पूंछ के लिए जिराफ का शिकार किया जाता है। इनकी खाल का गलीचों के रूप में प्रयोग होता है। हर पांच साल में एक नर व एक मादा के मरने से यह उपप्रजाति 100 साल में लुप्त हो जाएगी और हर साल एक जोड़ा लुप्त होने से 15 साल में लुप्त हो जाएगी। शोध के अनुसार, अवैध शिकार रोकना इस विलुप्ति को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है। जिराफ की सबसे नाटी इस उपप्रजाति के सदस्यों का कद 3.8 से 4.7 मीटर होता है। इनका कुल आबादी सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। मादा 4 साल में प्रजनन योग्य हो जाती है और इनका गर्भकाल 15 माह का होता है। शोध के अनुसार, पार्क में अन्य स्थानों से मादा जिराफ लाने से आबादी बढ़ाने में मदद मिलेगी। हालांकि शोध लेखक एक स्थान से दूसरे स्थान जानवरों के स्थानान्तरण के खिलाफ हैं। इसकी बजाय शोध ने सुझाव दिया है कि, जिराफ के आवास के बीच के कॉरिडोर की सुरक्षा की जानी चाहिए। कॉरिडोर होने से जिराफ स्वतः अलग-अलग क्षेत्रों में जा सकेंगे।

महाराष्ट्र में भाजपा लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराना चाहती है

अक्टूबर 2024 में राज्य के चुनाव होने हैं और लोकसभा चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में निर्धारित हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व अपनी महाराष्ट्र इकाई के एक प्रस्ताव पर विचार कर रहा है कि राज्य के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ ही करवा लिए जाएं। उनका मानना है कि दो टिकटों वाला चुनाव और प्रधानमंत्री

एस.आई.ए ने 7 जगहों पर की छापेमारी

श्रीनगर, 27 सितंबर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वैस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने इस साल की शुरुआत में हुई कश्मीरी पंडित की हत्या की जांच के तहत बुधवार को दक्षिण कश्मीर में सात स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बिधूड़ी टोंक में भाजपा के प्रभारी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी सांसद रमेश बिधूड़ी, जिन्होंने अभी हाल ही, संसद में बसपा सांसद

■ लोकसभा में बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ धर्म आधारित अपमानजनक टिप्पणी करने वाले सांसद रमेश बिधूड़ी की इस नियुक्ति को राजनैतिक हल्कों में “पुरस्कार” बताया जा रहा है, जबकि भाजपा नेतृत्व उन्हें लोकसभा में गलत टिप्पणी के लिए नोटिस दे चुका है।

दानिश अली के खिलाफ अभद्र एवं मुस्लिम विरोधी टिप्पणियाँ की थीं, को राजस्थान में टोंक चुनाव क्षेत्र का पार्टी प्रभारी नियुक्त किया गया है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पार्टी को उम्मीद है कि, दोनों चुनाव एक साथ होने से मोदी फैक्टर ज्यादा प्रभावी ढंग से कारगर होगा।
- महाराष्ट्र में भाजपा के नेताओं का कहना है कि, दोनों चुनाव एक साथ हुए तो विधानसभा चुनाव में भी राष्ट्रीय मुद्दे प्रभावी होंगे।
- पार्टी चाहती है कि, राज्य में अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल किया जाए, इसलिए अधिकांश सीटों पर भाजपा अपना प्रत्याशी उतारना चाहती है।

की जोरदार अपील पार्टी के पक्ष में काम करेगी। राज्य विधानसभा चुनाव अक्टूबर 2024 में हैं लेकिन राज्य भाजपा उन्हें अगले वर्ष अप्रैल-मई में लोकसभा के साथ ही करवाना चाहती है। नेतृत्व की आंख महाविकास अगाड़ी में शामिल विपक्षी पार्टियों और शिव सेना के एक गुट के साथ अपने गठबंधन के कार्यकलाप पर लगी हुई है। राज्य के उपमुख्यमंत्री और वित्त

मंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने 2023-24 का बजट सबको खुश करने वाला रखा है। पार्टी के थिंक टैंक का मानना है कि हाल में एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ हुआ गठबंधन लोगों को “फील गुड” करवाने में मदद कर सकता है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ करवाने, जहां मोदी की अपील और राष्ट्रीय मुद्दे भी मतदाता के दिमाग में रहेंगे और ये मतदाताओं को प्रभावित करेंगे। ये कहना है मंत्रिमण्डल के एक

सदस्य का जो राज्य की चुनावी रणनीति से वाकिफ हैं।

मंत्री ने कहा, “राज्य में पार्टी के शीर्ष नेताओं को सुझाव दिया है और केन्द्रीय नेतृत्व अब इस विकल्प पर विचार कर रहा है। वह उचित समय पर कदम उठाएगा। राज्य के चुनाव लोकसभा चुनाव के 5-6 माह बाद ही है इसलिए यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं होना चाहिए।

भाजपा राज्यों व केन्द्र के चुनाव एक साथ होने का फायदा उठाकर कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना एवं नेशनलिस्ट, कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के कमजोर और अवसरवादी गठबंधन की दरारों को उघाड़ना और बढ़ाना चाहती है। मंत्री का कहना है कि, महाराष्ट्र विकास अगाड़ी (एम.वी.ए.) तिकड़ी चुनावों की घोषणा तक एक साथ बने रह सकते हैं, लेकिन उसके बाद कुछ नहीं कह सकते। चुनाव अभियान के दौरान ही वो टूट सकते हैं, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

■ एयरपोर्ट पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित तमाम बड़े नेता शाह व नड्डा के स्वागत के लिए मौजूद थे।

चुनाव प्रभारी, चुनाव सह प्रभारी नितिन पटेल, कुलदीप बिश्नोई, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी, प्रदेश सह प्रभारी विजया रहाटकर, सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष अजयपाल सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमित शाह और नड्डा का शानदार स्वागत

जयपुर 27 सितंबर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के जयपुर पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने एयरपोर्ट के स्टेट हैंगर पर उनका स्वागत किया। स्वागत करने वाले नेताओं में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, प्रदेश

कांग्रेस हाई कमान ने 60 प्रतिशत विधायकों के टिकट काटने का मन बनाया

स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन गौरव गोगोई ने कहा, सिर्फ जीतने वाले प्रत्याशी को ही टिकट दिया जाएगा

- राहुल गांधी ने गौरव गोगोई से साफ कह दिया है कि, सुनील कानुगोलु की रिपोर्ट में जिन विधायकों की हार तय बताई गई है, उन्हें टिकट कदापि न दिया जाए।
- जिन विधायकों के टिकट काटे जाएंगे, उनमें से अधिकांश विधायक गहलोत खेमे के हैं, जिनकी हार पक्की बताई जा रही है, पर गहलोत उन्हें हर कीमत पर टिकट दिलाना चाहते हैं।
- गहलोत 50 प्रतिशत टिकट मौजूदा विधायकों को दिलाना चाहते हैं। उनका कहना है कि, जिन्होंने उनकी सरकार बचाई उन विधायकों को टिकट मिलना ही चाहिए।
- गहलोत का कहना है कि, जिन विधायकों ने सरकार गिराने की कोशिश की उन्हें टिकट नहीं देना चाहिए।

कम 50 प्रतिशत टिकट काटना जरूरी होगा।

सूत्रों का भी कहना है कि कांग्रेस ने टिकट वितरण उस समय तक रोके रखा है, जब तक चुनावों की घोषणा नहीं हो

जाती। ऐसा करने का कारण यह बताया गया है कि विधानसभा चुनाव समय से पहले भी हो सकते हैं, आगे भी खिसक सकते हैं तथा “एक राष्ट्र एक चुनाव” का विचार क्रियान्वित किया जा सकता

है। हालांकि वेपुगोपाल ने सार्वजनिक रूप से यह घोषणा कर दी थी कि राजस्थान के लिये कांग्रेस के टिकटों की घोषणा सितम्बर के शुरु में हो जायेगी।

सूत्रों ने कहा कि टिकट-वितरण में विलम्ब का मुख्य कारण कांग्रेस का यह दृढ़ निश्चय है कि उन विधायकों के टिकट काटे जाएंगे, जो बुरी तरह हारते नजर आ रहे हैं।

यह भी समझा जाता है कि अशोक गहलोत पूरी जोरदारी के साथ कह रहे हैं कि राजेन्द्र गुड्डा के निष्कासन के बाद, राज्यसभा चुनावों में 121 विधायकों ने कांग्रेस का समर्थन किया था। गहलोतन ने यह भी कहा है कि इन विधायकों को उस समय भी सरकार को सहयोग दिया था, जब कुछ विधायकों तथा अन्य लोगों ने इस सरकार को गिराने की कोशिश की थी। इस प्रकार, गहलोत का तर्क यह है कि टिकट उन विधायकों के काटे जाने चाहिये, जिन्होंने उनकी सरकार को गिराने की कोशिश की थी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में भाजपा केन्द्रीय मंत्रियों व कद्दावर सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारेगी

गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, राज्यवर्धन राठौड़ और दिया कुमारी का नाम चर्चा में है

- इस प्रकार भाजपा हाई कमान ने संकेत दे दिया है कि, वह वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी बनाने के पक्ष में नहीं है। भाजपा के 30 प्रतिशत मौजूदा विधायकों के टिकट काटने की तैयारी भी कर ली है।
- भाजपा ने राजस्थान में भी मध्य प्रदेश की रणनीति पर ही अमल किया है।

विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के नाम प्रमुख हैं। भाजपा थिंक टैंक राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं दिव्या सिंह, (क्रमशः जयपुर ग्रामीण व राजसमंद से सांसद) को विधानसभा चुनाव लड़वाने के विकल्प पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार यह भी संभावना है कि, भाजपा 30 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट सकती है।

मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए, भाजपा ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों, नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और फगन

सिंह कुलस्ते को मैदान में उतारा है। इनके अलावा चार सांसदों, राकेश सिंह, गणेश सिंह, रीति पाठक और उदयप्रताप सिंह को भी टिकट दिया गया है, जिससे ये चर्चाएं शुरू हो गई हैं कि वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को दरकिनार किया जा रहा है।

भाजपा के महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जिनका नाम भी प्रत्याशियों की सूची में है, अपने चयन से खुश नहीं हैं। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चन्द्रबाबू की अपील पर 3 अक्टूबर को सुनवाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 27 सितम्बर। सर्वोच्च न्यायालय की एक नई बेंच आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चन्द्रबाबू नायडू को उस याचिका की सुनवाई 3 अक्टूबर को करेगी, जिसमें उन्होंने राज्य के स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन में कथित

■ आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू को 9 सितम्बर को 371 करोड़ रु. के कोशिश विकास घोटाले में गिरफ्तार किया गया था।

371 करोड़ रु. के घोटाले में उनके खिलाफ दर्ज एफ.आई.आर. को रद्द करने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति एस.जी.एन. भट्टी इस याचिका की सुनवाई से बुधवार को स्वयं को अलग कर लिया। जब न्यायमूर्ति भट्टी, जो न्यायमूर्ति (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विशेषकर इसलिए क्योंकि प्रधानमंत्री कांग्रेस पर आरोप लगाते हैं। इस योजना की कुछ झलक इस सप्ताह मध्य प्रदेश में देखने को मिलीं। इसी तर्ज पर भाजपा की राजस्थान में पहली सूची, जो शायद 49 सीटों की है, शीघ्र आने वाली है, यह लिस्ट जयपुर में गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की मुलाकात के बाद जारी हो सकती है। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के संभावित चेहरे हैं केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और अर्जुनराम मेघवाल, राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, लोकसभा सांसद दिव्या कुमारी, राज्यवर्धन राठौड़ और सुखबीर सिंह जैनपुरिया।

70 वर्षीय वसुंधरा राजे दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और सिंधिया राज परिवार की सदस्य हैं, लेकिन उनका इस बार उनका लौटना मुश्किल है, हालांकि उन्हें राज्य में भाजपा का सबसे कद्दावर और प्रभावशाली नेता माना जाता है। गैर-भाजपा मतदाताओं पर अच्छी पकड़ रखने वाली राजे से पार्टी किस तरह पेश आती है यह महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वे किसी अन्य मुख्यमंत्री के मातहत विधायक होकर तो विधानसभा में नहीं बैठ सकतीं। मध्य प्रदेश में तीन केन्द्रीय मंत्री, चार सांसद और राष्ट्रीय माहसचिव कैलाश विजयवर्गीय प्रत्याशी हैं जबकि अभी तक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सूत्रों का कहना है कि, वसुंधरा राजे भले ही राजस्थान में भाजपा की सबसे ताकतवर एवं प्रभावशाली नेता मानी जाती हैं, पर इस बार उनकी वापसी की संभावना बहुत कम है।
- भाजपा हाई कमान दो बार मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे को फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाएगा और यह संभावना भी नहीं है कि, वसुंधरा एक विधायक के रूप में किसी अन्य मुख्यमंत्री के अधीन विधानसभा में बैठेंगी।
- भाजपा की योजना है कि, जिन 5 राज्यों में चुनाव होना है, वहां मोदी फैक्टर पर ही चुनाव लड़ा जाएगा।
- समझा जाता है कि, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ में भी भाजपा इसी योजना पर अमल करेगी।